विशेष बल दिया गया है। कृषि क्षेत्र को बिजली की सप्लाई के लिये प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया गया है और बिजली की समग्र उपलब्धि के अनुरूप विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम के लिये अधिक से अधिक बिजली की सप्लाई करने के लिये राज्य सरकारों/राज्य बिजली बोर्ड द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं।

कृषि के क्षेत्र में चीन के साथ चर्चा

*155. **श्री शंकर दयाल सिंह :**
डा० ग्रेलामनचिली शिवाजी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनकी हाल की चीन-यात्रा के दौरान भारत-चीन संबंधों को सुदृढ़ करने के लिये कृषि के क्षेत्र में कुछ समझौते करने के संबंध में कोई चर्चा की गयी थी ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि हरित क्रांति भारत की तुलना में चीन में अधिक सफल हुई है ; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार वैसी प्रविधियां देश में अपनाने का विचार रखती है ?

उप प्रधान मंत्री और कृषि मंत्री (श्री देवी लाल) : (क) से (घ) उप प्रधान मंत्री और कृषि मंत्री ने 23 से 27 अप्रैल, 1990 को बीजिंग में हुये एशिया और प्रशांत के 20 वें खाद्य एवं कृषि संगठन के क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिये और चीनी प्राधिकारियों के साथ द्विपक्षीय सहयोग विशेषकर कृषि के क्षेत्र में सहयोग पर विचार-विमर्श करने के लिये 23 अप्रैल से 30 अप्रैल, 1990 तक चीन का दौरा किया।

चीन और भारत दोनों में हरित क्रांति आई है, जिससे कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की गई है। तथापि किसी भी देश में कृषि उत्पादन की पद्धति इसकी कृषि जलवायु की स्थिति और सामाजिक-आर्थिक नीतियों पर निर्भर करती है। चीन जनवादी गणतंत्र ने संकर चावल उत्पादन, कार्बनिक पदार्थों का पुनः इस्तेमाल करने की तकनीक, प्लास्टिी कल्चर तकनीक, समेकित मत्स्य-धान खेती, अल्प अश्व शक्ति कृषि मशीनरी, धान की भूसी का गैसीकरण, सूअर, भेड़ और बकरियों आदि की उच्च बहुफलदायक नस्ल और ताजा जल और खारा जल जलकृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रभावशाली ढंग से प्रगति की है। जिसमें भारत ने भावी सहयोग के लिये रुचि दिखलाई है। विचार-विमर्श के दौरान चीन जनवादी गणतंत्र ने भारत से कपास उत्पादन, गन्ने की अधिक उपज देने वाली और अधिक चीनी का उत्पादन देने वाली किस्मों, पनधारा के आधार पर बारानी और वर्षा सिंचित फार्म प्रौद्योगिकी सिंचाई परियोजनाओं का कमान क्षेत्र प्रबंधन, भैंस और भस के भ्रूण अन्तरण प्रौद्योगिकी के विशेष संदर्भ में दूध के उत्पादन और परिसंस्करण की प्रौद्योगिकी आदि के क्षेत्र में सहयोग प्राप्त करने में रुचि दिखाई है। इन आधारों पर कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग से चीन और भारत को अपने कृषि उत्पादन में वृद्धि करने में परस्पर लाभ मिलेगा।

Functioning of Sambalpur Railway Division

*156. SHRI BASUDEB MOHAPATRA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that he had recently announced that Sambalpur Railway Division would start functioning immediately; and

(b) if so, the progress made in this regard so far?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) and (b) In accordance with the announcement made in January 1990 that Phase I of Sambalpur Division will be completed within 3 months, the new Division (Phase I) has started functioning with effect from 31-3-1990.

New Vocational Skills in the ITIs etc.

*157. PROF. CHANDRESH P. THAKUR:
SHRI RAJUBHAI A. PARMAR:

Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) the details of the new vocational skills which are proposed to be given priority in the Industrial Training Institutes and the Apprenticeship Schemes during VIII Five Year Plan period; and

(b) what is the existing allocation of seats in different skills, State-wise and what changes are being planned in this regard?

THE MINISTER OF LABOUR AND WELFARE (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) There are 65 trades under the Craftsmen Training Scheme in which training is imparted in the ITIs. The ITIs are functioning under the direct administrative control of the State Governments/ U.T. Administrations. Priority for introducing a particular trade is decided on the basis of local needs of a particular area by the respective State Government. New trades are identified and designated in consultation with the industry for updating and upgrading Vocational Training Programme.

Similarly under the Apprenticeship Scheme, there are 129 designated trades each covering a variety of vocational skills. Seats are located on the basis of training facilities available in the industrial enterprises. However, new trades are designated from time to time as per the needs of the Industry.

(b) Based on the information made available by various State Governments/ U.T. Administrations, consolidated statements indicating State-wise sanctioned seats in different trades under the Craftsmen Training Scheme and located seats under the Apprenticeship Training Scheme are placed at Annexure—I and II respectively. [*See* Appendix CLIV, Annexure No. 31].

As already indicated above, the day-to-day administration of ITIs is the responsibility of the respective State Governments, and the introduction of seats in the ITIs fall under their purview. However, under the Apprenticeship Training Scheme, the quota of apprentices is fixed by the respective Apprenticeship Advisors on the basis of survey of industrial establishments. Changes as and when required are planned and effected by the respective authorities.

New Trains for Andhra Pradesh

*158. SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Andhra Pradesh has been ignored in regard to the commencement of new trains for the year 1990-91;

(b) whether Government are aware of the rush in the trains between the coastal towns of Andhra Pradesh and Hyderabad; and

(c) if so, whether there is any proposal for the creation of additional capacities in the trains in Andhra Pradesh?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI AJAY SINGH): (a) No, Sir.

(b) The present volume of passengers traffic between the coastal towns of Andhra Pradesh and Hyderabad is, by and large, being catered satisfactorily by existing train services.

(c) No, Sir, not at present.